अनुक्रमांक (अंकों में) / Roll No. (in figures) : _____ अनुक्रमांक (शब्दों में) / Roll No. (in words) : _____

[कुल प्रश्नों की संख्या : 24] [Total No. of Questions: 24]
[कुल मुद्रित पृष्ठ : 03] [Total No. of Printed Pages : 03]

[समय : 3.15 घंटे] [Time: 3.15 Hours]
[पूर्णांक : 100] [Maximum Marks : 100]

कक्षा 11वीं वार्षिक परीक्षा, 2025
Class 11th Annual Examination, 2025
हिन्दी साहित्य / HINDI LITERATURE
[1117]

सामान्य अनुदेश :
1) परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2) प्रत्येक प्रश्न के सामने उसका अंक भार अंकित है।

General Instructions :
1) Write Roll No. on the first page of the Question Paper.
2) Marks for every question are indicated alongside.

प्र.1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

विविध धर्म एक ही जगह पहुंचाने वाले अलग–अलग रास्ते हैं। सच पूछो तो जितने मनुष्य हैं उतने ही धर्म भी हैं। हमें सभी धर्मों के प्रति समभाव रखना चाहिए। इसमें अपने धर्म के प्रति उदासीनता आती है। ऐसा कहना गलत है, बल्कि अपने धर्म के प्रति जो प्रेम है उसकी अंधता मिटती है। मेरी सम्मति है कि संसार के धर्म ग्रंथों को सहानुभूतिपूर्वक पढना प्रत्येक सभ्य पुरुष और स्त्री का कर्त्तव्य है और यही प्रत्येक नर–नारी का पवित्र कर्म हो सकता है। दूसरे धर्मों के अध्ययन से मेरी श्रद्धा बढ़ने के साथ ही मेरी जीवन दृष्टि भी विकसित हुई है। इस सिद्धांत "सत्य के अनेक रूप होते हैं" ने मुझे एक ईसाई तथा एक मुसलमान को उसके स्वयं के दृष्टिकोण से समझना सिखाया। जब तक अलग–अलग धर्म मौजूद हैं तब तक प्रत्येक धर्म को किसी विशेष बाह्य चिह्न की आवश्यकता होती है। लेकिन जब बाह्य चिह्न आडम्बर बने या अपने धर्म को दूसरे धर्मों से बड़ा बताए तब वह त्याज्य हो जाते हैं। धर्मों के भ्रातृ–मंडल का यह उद्देश्य होना चाहिए कि एक हिन्दू को अधिक अच्छा हिन्दू, एक अच्छा मुसलमान को अच्छा मुसलमान तथा ईसाई को अच्छा ईसाई बनने में मदद करें। ईश्वर से हमारी प्रार्थना यह नहीं होनी चाहिए कि तू उन्हें वही प्रकाश दे जो मुझे दिया बल्कि यह होनी चाहिए कि तू उन्हें सारा प्रकाश दे प्रकाश दे जिसकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।

प्रश्न –

(क) हम धर्मों के प्रति स्वस्थ्य दृष्टिकोण कैसे अपना सकते हैं? (1)
(ख) धर्म के प्रति समभाव रखने से क्या लाभ है? (1)
(ग) अन्य धर्मों के अध्ययन से लेखक की जीवन दृष्टि में क्या बदलाव आया? (1)
(घ) धर्म के बाह्य चिह्नों के बारे में लेखक क्या कहता है? (1)
(ङ) इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)
(च) लेखक के अनुसार, हमारी प्रार्थना क्या होनी चाहिए? (1)
(छ) निर्मल तथा सहिष्णु शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (1)
(ज) 'प्रत्येक' शब्द में उपसर्ग बताइए। (1)

प्र.2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

नीड़ का निर्माण फिर–फिर,
नेह का आह्वान फिर–फिर!
वह उठी आँधी कि नभ में,
छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,
रात–सा दिन हो गया, फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा
इस निशा काल का फिर सवेरा,
रात के उत्पात–भय से
भीत जन–जन, भीत कण–कण
किन्तु प्राची से उषा की
मोहनी मुस्कान फिर–फिर!

www.mseducationtv.com
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न –

(क) आँधी और बादल किसके प्रतीक हैं? (1)

(ख) कवि निर्माण का आह्वान क्यों करता है? (1)

(ग) किस बात से कवि भयभीत है? (1)

(घ) उषा की मुस्कान मानव मन को क्या प्रेरणा देती है? (1)

(ङ) रात आयी और काली का आशय स्पष्ट कीजिए। (1)

(च) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

(छ) फिर–फिर, कण–कण में कौनसा अलंकार है? (2)

प्र.3 जनसंचार के विभिन्न माध्यम कौन–कौनसे हैं? (2)

प्र.4 जनसंचार माध्यम की दृष्टि से इन्टरनेट का महत्त्व बताइए। (5)

प्र.5 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए –

(क) राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका

(ख) जल संरक्षण एक महत्ती आवश्यकता

(ग) राजस्थान के प्रमुख मेले

(घ) योग स्वास्थ्य का आधार

प्र.6 ग्राम पंचायत 'क ख ग' के सचिव की ओर से जिला कलेक्टर 'अ ब स' को गर्मी के मौसम में पेयजल की समुचित व्यवस्था हेतु टैंकर भिजवाने के लिए एक कार्यालयी पत्र लिखिए। (5)

अथवा

स्वयं को अनुपम मानते हुए एक निजी विद्यालय में कम्प्यूटर अनुदेशक के पद हेतु अपना स्ववृत्त लेखन लिखिए। (4)

प्र.7 अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह का प्रतिवेदन लिखिए। (4)

प्र.8 राजकीय विद्यालय हरिपुरा की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस विषय पर एक प्रेस विज्ञप्ति लिखिए।

व्यावहारिक व्याकरण –

प्र.9 (i) हिन्दी आचार्यों ने रसों की संख्या मानी है – (1)

(अ) 8 (ब) 10 (स) 6 (द) 11

(ii) दोहा छंद के प्रथम और तृतीय चरण में मात्राओं की संख्या होती है – (1)

(अ) 14 (ब) 13 (स) 10 (द) 11

प्र.10 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (1×6=6)

(i) सोरठा छन्द.....छन्द है।

(ii) काव्य के सौन्दर्य में वृद्धि करने वाले तत्त्व.....कहलाते हैं।

(iii) समान वर्ण की आवृत्ति होने पर.....अलंकार होता है।

(iv) पानी गये न उबरे, मोती मानुष चून में.....अलंकार है।

(v) श्रृंगार रस का स्थायी भाव.....है।

(vi) जब किसी व्यक्ति, वस्तु आदि का वर्णन बढ़ा–चढ़ा कर किया जाए, तो.....अलंकार होता है।

प्र.11 चौपाई छन्द की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए। (2)

प्र.12 *निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए –* (5)

अरे इन दोहुन राह न पाई।
हिन्दू अपनी करै बड़ाई गागर छुवन न देई।
वेस्या के पायन–तर सोवै यह देखो हिंदुआई।
मुसलमान के पीर–औलिया मुर्गी मुर्गा खाई।
खाला केरी बेटी ब्याहै घरहिं में करै सगाई।

अथवा

रिश्ते हैं, लेकिन खुलते नहीं हैं
और हम अपने खून में इतना भी लोहा
नहीं पाते,
कि हम उससे एक ताली बनवाते
और भाषा के भुन्ना–सी ताले को खोलते

www.mseducationtv.com

Scanned with OKEN Scanner

प्र.13 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (5)

बसंता ने कसकर गूँगे को चपत जड दी। गूँगे का हाथ उठा और न जाने क्यों अपने–आप रुक गया। उसकी आँखों में पानी भर आया और वह रोने लगा। उसका रुदन इतना कर्कश था कि चमैली को चूल्हा छोड़कर आना पड़ा। गूँगा उसे देखकर इशारों से कुछ समझाने लगा। देर तक चमेली उससे पूछती रही। उसकी समझ में इतना ही आया कि खेलते–खेलते बसंता ने उसे मार दिया था।

अथवा

भट्ठे की जिन्दगी भी अजीब थी। गाँव–बस्ती का माहौल बन रहा था। झोंपड़ी के बाहर जलते चूल्हे और पकते खाने की महक से भट्ठे की नीरस जिन्दगी में कुछ देर के लिए ही सही, ताज़गी का अहसास होता था। ज्यादातर लोग रोटी के साथ गुड़ या फिर लाल मिर्च की चटनी ही खाते थे। दाल सब्ज़ी तो कभी–कभार ही बनती थी।

प्र.14 भारतेंदु हरिश्चंद्र अथवा सूरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। (2)

प्र.15 (i) हामिद ने अपने तीन पैसों से खरीदा – (1)
(अ) मिठाई (ब) खिलौने (स) चिमटा (द) खंजरी

(ii) सन् 1988 में ज्योतिबा फुले को जो उपाधि दी गई, वह है – (1)
(अ) समाज सुधारक (ब) महात्मा (स) लाट साहब (द) संत

(iii) पद्माकर का प्रमुख ग्रंथ है – (1)
(अ) सूरसागर (ब) पद्माभरण (स) पद्मावत (द) सुजान–रसखान

(iv) नागार्जुन का मूल नाम है – (1)
(अ) वैद्यनाथ मिश्र (ब) मणिनाथ मिश्र (स) नागनाथ मिश्र (द) विश्वबंधु

(v) सिद्धेश्वरी के छोटे बेटे का नाम था – (1)
(अ) रामचन्द्र (ब) प्रमोद (स) मोहन (द) महेश

(vi) ज्योतिबा फुले पाठ के लेखक हैं – (1)
(अ) रामचन्द्र शुक्ल (ब) सुधा अरोड़ा
(स) रांगेय राघव (द) हरिशंकर परसाई

(vii) कवि देव के प्रमुख आश्रयदाता का नाम बताइए – (1)
(अ) जयसिंह (ब) अकबर (स) औरंगजेब (द) भोगीलाल

(viii) निम्नलिखित में से वह रचना जो महादेवी वर्मा की नहीं है – (1)
(अ) नीहार (ब) रश्मि (स) यामा (द) हंसमाला

प्र.16 (i) लेखक ने टॉर्च बेचने वाली कम्पनी का नाम सूरज छाप ही क्यों रखा? (2)

(ii) 'सपना' कवित्त में नायिका क्यों प्रसन्न थी और उसका सपना क्यों टूट गया? (2)

(iii) क्या लाल का व्यवहार सरकार के विरुद्ध षड़यंत्रकारी था? अपने विचार लिखिए। (3)

प्र.17 'चल! ये लोग म्हारा घर न बणने देंगे।' सुकिया के इस कथन के आधार पर कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (3)

प्र.18 'जाग तुझको दूर जाना' कविता की मूल संवेदना लिखिए। (4)

प्र.19 देश की सब प्रकार से उन्नति हो इसके लिए लेखक द्वारा बताए गए चार उपाय बताइए। भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? https://www.rajasthanboard.com

प्र.20 कविता 'बादल को घिरते देखा है' में बादलों के सौंदर्य चित्रण के अतिरिक्त और किन दृश्यों का चित्रण किया गया है? (4)

प्र.21 (i) 'हुसैन की कहानी अपनी जुबानी' पाठ के लेखक का नाम है – (1)
(अ) विष्णु प्रभाकर (ब) महादेवी वर्मा (स) प्रेमचंद (द) मकबूल फ़िदा हुसैन

(ii) एम.एफ. हुसैन का जन्म हुआ है – (1)
(अ) मुम्बई में (ब) कोल्हापुर में (स) सोलापुर में (द) इंदौर में

(iii) 'आवारा मसीहा' है – (1)
(अ) जीवनी (ब) आत्मकथा (स) कविता (द) एकांकी

(iv) 'आवारा मसीहा' में शरतचंद्र के पिता का नाम था – (1)
(अ) मोतीलाल (ब) केदारनाथ गंगोपाध्याय
(स) अघोरनाथ (द) बैंकुठनाथ चटोपाध्याय

प्र.22 'मकबूल फ़िदा हुसैन' पाठ में किस मूर्ति का जिक्र किया गया है? (2)

प्र.23 नाना के घर किन–किन बातों का निषेध था? शरत को वे बातें क्यों प्रिय थीं? (3)

प्र.24 आपको शरत और उसके पिता के स्वभाव में क्या समानताएँ दिखाई देती हैं? विस्तार से बताइए। (4)

---

www.mseducationtv.com
Scanned with OKEN Scanner